Q3. प्रश्न करारोपण (taxation) के लागत एवं लाभ सिद्धांत की व्याख्या करें (Benifit & principle of taxation)

उत्तर ⇒ राजस्व अर्थशास्त्र में करारोपण के कई सिद्धांत दिए गए हैं। इनमे से लाभ का सिद्धांत एक महत्वपूर्ण तथा प्राचीन सिद्धांत है। इसके अन्तर्गत इस तथ्य पर आधारित है कि जिस मात्रा में राज्य अथवा सरकार नागरिक से कर प्राप्त करती है उस मात्रा में ही व्यक्ति को सेवा का लाभ मिलना चाहिए। प्रमुख अर्थशास्त्री William Petty का कथन उल्लेखनीय है की "Men should Contribute to the public charge but according to the share and interest they have in public peace."

लाभ सिद्धांत के अनुसार करों की मात्रा उस लाभ की मात्रा होना चाहिए जिससे प्रत्येक नागरिक राज्य की संरक्षण में रहकर प्राप्त करता है क्योंकि राज्य और नागरिक के बीच विनिमय का सम्बन्ध होता है इसलिए करारोपण की मात्रा भी सामान्य बाजार नियम के आधार पर तय होना चाहिए। यह सिद्धांत सतरहवीं और अठारहवीं सदी के बीच काफी लोकप्रीय था। प्रमुख विद्वान Hobbes, David Hume तथा रूसो आदि विचारकों ने इसे सर्वोत्तम सिद्धांत माना था। वास्तव में यह सिद्धांत कर प्रणाली को न्यायपूर्ण बनाने के लिए जरूरी है की नागरिकों द्वारा टैक्स या कर के रूप में दी जाने वाली राशि सरकार के द्वारा प्राप्त लाभ के अनुपात में होना चाहिए।

Explanation of the theory

सरकार के द्वारा दी गई सेवाओं से प्रत्येक नागरिक को कितना लाभ मिलता है इसकी जानकारी प्राप्त करना कठिन है। उदाहरण के लिए – सरकार के द्वारा कई कार्य किए जाते हैं जैसे पुलिस सेवा तथा सामाजिक अन्य सेवाओं पर किए गए खर्च से नागरिक को कितना लाभ प्राप्त होता है। इस लाभ को सामूहिक रूप में ही देखा जा सकता है। सरकार द्वारा जो खर्च किया जाता है वह सामान्य लाभ को ध्यान में रखकर ही किया जाता है। इसके साथ ही सरकार निःशुल्क शिक्षा चिकित्सा आवास इत्यादि की सुविधा देती है। इससे किसी वर्ग विशेष को ही लाभ मिलता है। यदि इन लोगों से सेवाओं के बदले में टैक्स लिया जाता है तो समाज कल्याण के लिए कोई औचित्य नहीं रह जाता है क्योंकि ज्यादातर लाभ निर्धन वर्ग के द्वारा प्राप्त होता है। तो इस सिद्धांत के अनुसार जो निर्धन वर्ग टैक्स नहीं दे सकते वे ज्यादा कर दें। यह बात अनुपयुक्त लगती है।

लाभ का सिद्धांत कभी न्यायपूर्ण भी होता है उदाहरण के लिए जब सरकार अच्छी सड़क बनवाती है तो उससे गाड़ी चलाने वालों से मिलने वाली लाभ के बदले में मोटर टैक्स वसूल करती है वह उचित होता है। लेकिन सड़क पर चलने वाले गाड़ियों के अलावा बहुत सारे लोग उठाते हैं लेकिन उन्हें कर नहीं देना पड़ता है।

पर्यारोपण के लाभ सिद्धांत की व्याख्या – Bowen Model ने भी किया है। इस Model के अनुसार जनता की आय एवं राजकीय व्यय के बीच संतुलन स्थापित

किया जाता है। और कर की दर को निर्धारण करने में सार्वजनिक सेवाओं की लागत के औचित्य को आधार माना जाता है। इस सिद्धांत के अनुसार लागत वास्तव में जिस अनुपात में सामाजिक वस्तुएँ उपलब्ध कराई जाती हैं ठीक उसी अनुपात में कर के रूप में निजी वस्तुओं का त्याग होना चाहिए। नीचे दिए गए रेखाचित्र के द्वारा इसे स्पष्ट किया जा सकता है।

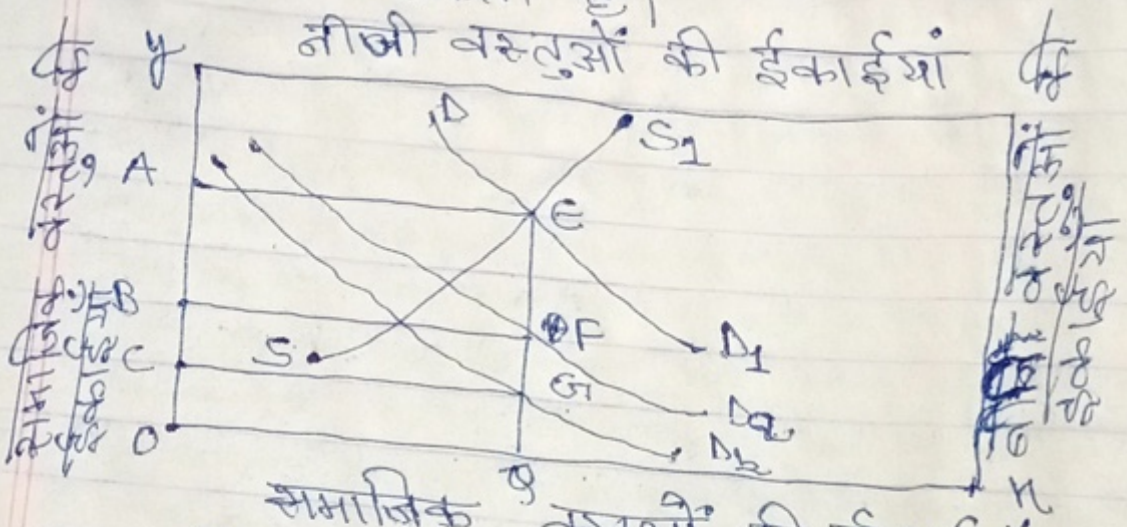

ऊपर दिए गए रेखाचित्र से स्पष्ट है की E संतुलन का वह बिंदु है जहाँ पर OQ मात्रा में सामाजिक वस्तुओं की पूर्ति होती है और कुल लागत EA है कुल लागत की मात्रा में OQFB व्यक्ति A का अंश है जो वह कर के रूप में भुगतान करेगा or OQGC B व्यक्ति का अंशदान होगा। अतः OQPB — OQGC = OQEA

इस प्रकार वैसे तो लाभ सिद्धांत की व्याख्या उपरोक्त चित्र के आधार पर किया गया है इसे जैसे को तैसा Quidproquo कहा जाता है

इस सिद्धांत की कुछ आलोचनाएँ की गई हैं जो इस प्रकार हैं।

① Inequality in Income — कर का उद्देश्य आर्थिक समानता लाना होता है परन्तु इस सिद्धांत के द्वारा वितरण में समानता नहीं लाया जा सकता है। अतः आय की विषमताओं को दूर नहीं किया जा सकता है।

② Unjustify (अन्यायपूर्ण) — लाभ सिद्धांत की दूसरी आलोचना यह की जाती है की यह अन्यायपूर्ण है क्योंकि कर का ज्यादातर भाग निर्धनों को सहायता पहुँचाने में खर्च करती है। यदि लाभ सिद्धांत के आधार पर टैक्स लगाया जाय तो यह अधिकतम सामाजिक कल्याण सिद्धांत के प्रतिकूल होगा।

③ Difficult to measurement of Profit (लाभ की गणना करना कठिन) — यद्यपि की सरकार जनहित कार्यों पर खर्च करती है जिससे प्रत्येक व्यक्ति को अलग अलग लाभ मिलता है परन्तु लाभ की गणना करना कठिन है।

④ Unjustify for Social Services — आलोचकों का कहना है की यह सिद्धांत सामाजिक सेवाओं में लागू नहीं किया जा सकता क्योंकि सभी सेवाओं के लिए मूल्य लिया जाना उचित नहीं है।

(5) Limited state work - यह आलोचना किया जाता है की इस सिद्धांत के अनुसार उन्हीं क्षेत्रों में काम करना चाहिए जहाँ लाभ मिलने की संभावना हो इसलिए राज्य का कार्य क्षेत्र सीमित हो जाता है।

इस प्रकार उपरोक्त कठिनाईयों को देखने के बाद यह कहा जा सकता है की लाभ का सिद्धांत न तो न्यायपूर्ण और नहीं सार्वभौमिक फिर भी इतना अवश्य है की इस सिद्धांत की अपनी उपयोगिता है और करारोपण महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है।

Q4 What should be the features of a good tax system.
एक अच्छी कर प्रणाली की मुख्य विशेषताएँ क्या हो सकती हैं।

अथवा

करारोपण के विभिन्न नियमों की विवेचना करें।

उत्तर :→ कर (tax) सार्वजनिक आय का एक प्रमुख साधन है। यह मुद्रा के रूप में लोगों को अनिवार्य रूप से सामान्य हित तथा कल्याण के लिए सरकार वसूल करती है। प्रोफेसर Shirras के अनुसार taxes are compulsory contribution to public authorities to meet the general expenses of govt which have been incurred for public good and without reference to special benefits.

Prof Adam Smith ने करों के सम्बन्ध में वैज्ञानिक अध्ययन किया है और अपनी प्रमुख पुस्तक Wealth of Nations में इसका जिक्र किया है उन्होंने करारोपण के चार प्रमुख सिद्धांत बताए हैं जो निम्नलिखित हैं।

① Canon of equality (समानता का सिद्धांत)
② Canon of certainty (निश्चितता का सिद्धांत)
③ Canon of convenience (सुविधा का सिद्धांत)
④ Canon of Economy (मितव्ययिता का सिद्धांत)

① Canon of equality - इस सिद्धांत के अनुसार प्रत्येक राज्य की प्रजा को अपने योग्यता के अनुपात में राज्य सरकार को कर देना चाहिए। अर्थात जनता को आय के

अनुपात में सरकार की सेवा की प्राप्ति के अनुरूप कर दाताओं की जेबों से कम से कम निकाला जाय। इसके साथ ही कर वसूल करने में सरकार को कम से कम खर्च करना पड़े। ऐसा नहीं की जो रकम कर के रूप में वसूल की जाए उसका अधिकांश भाग कर वसूल करने में ही खर्च हो जाय इसलिए

समानता का सिद्धांत के अनुसार विभिन्न कर दाताओं पर इस प्रकार कर लगाया जाय ताकि इसका भार समान रूप से पड़े। Mill ने कहा है की "The first rule is the greatest rule of taxation namely equality i.e., to say taxation in proportion to means"

(ii) Canon of Certainty — Adam Smith के द्वारा दूसरा प्रमुख सिद्धांत निश्चितता का सिद्धांत है इसका तात्पर्य यह है की करदाता को जो कर देना है वह निश्चित होना चाहिए मनमाना नहीं। यह भी स्पष्ट होना चाहिए की कर दाता को कितना और कब तथा कर का भुगतान की विधि क्या है। अतः इस सिद्धांत में यह जोड़ दिया गया है की कर प्रणाली में भ्रष्टाचार की गुंजाइश कम हो। इससे जनता तथा सरकार दोनों को यह जानकारी होती है की कितना कर देना है और सरकार को बजट बनाने में सुविधा रहती है।

i) Canon of Convenience — इस सिद्धांत के अनुसार "प्रत्येक कर को इस ढंग से अथवा ऐसे समय पर लगाया जाना चाहिए जब वह भुगतान करने वाले के लिए पूर्ण सुविधा जनक हो।" जैसे आय कर तभी लगाया जाय जब करदाता को ~~आय~~ कर लगाया जाय जब आय प्राप्त हो और इसे आय के स्रोत के जगह पर ही काट लिया जाय इस दृष्टिकोण से बिक्री कर बहुत सुविधाजनक होता है क्योंकि वस्तुओं को खरीदते समय ही उपभोक्ताओं से यह कर मूल्य में शामिल कर लिया जाता है। इसी प्रकार किसान से कर उसी समय लिया जाय जब उसकी फसल की कटाई हो तो उससे न्यूनतम कष्ट होगा।

ii) Canon of Economy — इस सिद्धांत के अनुसार "प्रत्येक कर इस प्रकार लगाया जाना चाहिए की करों से राज्य के कोषागार को होने वाली आय की प्राप्ति के अतिरिक्त कर दाताओं के जेबों से कम निकाला जाय। इसका अर्थ यह है की कर वसूलने में प्रशासनिक व्यवस्था पर कम से कम खर्च हो। ऐसा न हो कि जो रकम कर के रूप में वसूल की गई हो ~~~~ उसका अधिकांश भाग कर वसूल करने पर ही खर्च हो जाय। अर्थात कर मितव्ययिता पूर्ण (कम ~~~~ खर्चीली होना चाहिए।

इस प्रकार उपर दिए गए प्रायेपण के सिद्धांतों के अतिरिक्त कुछ लोगों के द्वारा अन्य सिद्धांत दिए गए हैं जैसे

1) Productive theory (उत्पादकता का सिद्धांत) — इस कर प्रणाली का उद्देश्य राज्य की ऊँची आय प्राप्त हो

जिससे वह अपनी व्यय की पूर्ति कर सके। यह Bastable के द्वारा दिया गया सिद्धांत है।

2) लोच का सिद्धांत — इस सिद्धांत के अनुसार कर प्रणाली लोचपूर्ण होना चाहिए ताकि आवश्यकता के समय करों की मात्रा को घटाया या बढ़ाया जा सके।

3) सरलता का सिद्धांत (Simplicity) — इस कर के अनुसार, कर प्रणाली सरल हो ताकि साधारण कर दाता को भी समझने में आसानी हो।

4) विविधता का सिद्धांत (Diversity theory) — कर प्रणाली में विविधता होना आवश्यक है अर्थात कर प्रणाली में अनेक प्रकार के करों का समावेश होना चाहिए।

5) वांछनीयता का सिद्धांत (Desirability) — इस कर प्रणाली के अनुसार कर लगाने से पहले इस बात की जांच कर लेनी चाहिए की क्या उन्हें लगाना आवश्यक और वांछनीय है।

6) समन्वय का सिद्धांत — करों में समन्वय होना चाहिए

7) एकरूपता का सिद्धांत (uniformity) — इस सिद्धांत के अनुसार करों में एकरूपता होनी चाहिए। कर लगाने की विधि एक समान होनी चाहिए।

इस प्रकार करारोपण के कई सिद्धांत दिए गए हैं जिससे स्पष्ट होता है की सभी करों में या किसी एक प्रणाली में सभी गुण नहीं पाए जाते। अतः एक आदर्श कर प्रणाली वह है जो आवश्यकता अनुसार सभी प्रकार के करों का समावेश कर सके। Dalton के शब्दों में " The best system of taxation from economic point of view is that which has the best or least bad economic effect."